खबर संक्षेप

गांजा तस्करी में फरार मुख्य आरोपी सतना से गिरफ्तार

शहडोल। जिले में अवैध मादक पदार्थों और नशे के सौदागरों के खिलाफ पुलिस का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के सख्त निर्देशों के तहत जयसिंहनगर थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के एक बड़े मामले में लंबे समय से फरार चल रहे मुख्य आरोपी व वाहन मालिक को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी के पकड़े जाने से इस तस्करी नेटवर्क के कई और राज खुलने की उम्मीद है।पुलिस के अनुसार, 13 अक्टूबर 2026 को थाना जयसिंहनगर पुलिस टीम ने एक संदिग्ध ट्रक पर बड़ी कार्रवाई की थी। चेकिंग के दौरान ट्रक के केबिन में चालाकी से छिपाई गई 20 बोरियों से कुल 735 किलो 440 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया गया था। पुलिस ने इस कार्रवाई में भारी मात्रा में नशीले पदार्थ के साथ-साथ तस्करी में प्रयुक्त वाहन और अन्य सामान जब्त किया था। मामले की विवेचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस लगातार फरार आरोपियों की तलाश कर रही थी। इसी कड़ी में पुलिस को सूचना मिली कि अपराध में संलिप्त मुख्य वाहन (ट्रक) का स्वामी बाबूलाल प्रजापति फरार चल रहा है। जयसिंहनगर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी बाबूलाल प्रजापति पिता टूलिया प्रजापति, उम्र 50 वर्ष, निवासी-पिथोराबाद, थाना नागौद, जिला सतना को 19 अक्टूबर को धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश करने और मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।< इस सनसनीखेज और बड़ी कार्रवाई को अंजाम देने में थाना प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार, उप निरीक्षक राकेश बागरी, सहायक उप निरीक्षक सुरेश कुमार और आरक्षक अंकित यादव की भूमिका रही।

पंडित शंभूनाथ शुक्ल की 48वीं पुण्यतिथि पर अर्पित किए गए श्रद्धासुमन

शहडोल। भारतीय संविधान सभा के सदस्य, विंध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले स्वर्गीय पंडित शंभूनाथ शुक्ल जी की 48वीं पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित उद्यान में स्थापित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। उपस्थित जनों ने उनके व्यक्तित्व, कृतित्व और क्षेत्र के विकास में दिए गए योगदान का स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया। पंडित शंभूनाथ शुक्ल जी का शहडोल जिले के निर्माण तथा क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने जनहित और क्षेत्र की प्रगति के लिए जो प्रयास किए, वे आज भी स्मरणीय हैं। पुण्यतिथि के अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन और उनके आदर्श समाज के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। सभी ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके विचारों एवं जनसेवा के प्रति समर्पण का स्मरण किया।

जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, पत्रकार एवं परिजनों ने अर्पित किए श्रद्धासुमन- पुण्यतिथि कार्यक्रम में पंडित शंभूनाथ शुक्ल जी के परिवारजनों सहित शहर के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, राजनीतिक दलों के पदाधिकारी एवं पत्रकार उपस्थित रहे।

संभागीय आदेश के बाद भी कुर्सी पर डटे जयसिंहनगर बीएमओ

रसूख के आगे नतमस्तक प्रशासनिक व्यवस्था

संलग्नीकरण निरस्तीकरण के फरमान की उड़ी धज्जियां योग्य चिकित्सा अधिकारियों को दरकिनार कर विवादित चिकित्सक पर मेहरबानी



जयसिंहनगर। स्वास्थ्य महकमे में प्रशासनिक मनमानी और नियमों को ताक पर रखने का खेल थमने का नाम नहीं ले रहा है। शासन स्तर से जारी स्पष्ट निर्देशों के बावजूद जिले के जयसिंहनगर में नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। कार्यालय क्षेत्रीय संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं रीवा संभाग रीवा द्वारा जारी पत्र (क्रमांक/स्थापना अवि/2026/5098, दिनांक 09 अक्टूबर 2026) में रीवा एवं शहडोल संभाग के समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों तथा सिविल सर्जनों को कड़े निर्देश दिए गए थे। पत्र में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि प्रमुख सचिव, म.प्र. शासन लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग तथा स्वास्थ्य आयुक्त द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में जिले में किए गए समस्त प्रकार के संलग्नीकरण एवं अस्थायी ड्यूटी को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए तथा 07 दिवस के भीतर पालन प्रतिवेदन भेजा जाए। परंतु अत्यंत खेदजनक स्थिति यह है कि इस कड़े शासकीय पत्र को जारी हुए 11 दिन से अधिक समय बीत जाने के बाद भी जयसिंहनगर में इसका कोई प्रभाव देखने को नहीं मिल रहा है।

मूल पदस्थापना कहीं, प्रभार कहीं और

प्राप्त जानकारी के अनुसार, डॉ. आनंद प्रताप सिंह (एमडी, पीएसएम) की मूल पदस्थापना मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय शहडोल के लिए की गई थी। इतना ही नहीं, जिला मुख्यालय शहडोल स्थित परिसर में उन्हें विधिवत कक्ष (रूम) भी आवंटित किया गया है। जब चिकित्सक की मूल नियुक्ति सीएमएचओ कार्यालय की है और रीवा संभाग के क्षेत्रीय संचालक का संलग्नीकरण निरस्तीकरण संबंधी पत्र भी आ चुका है, तो फिर किस आधार पर उन्हें अब तक जयसिंहनगर विकासखंड चिकित्सा अधिकारी के पद पर कायम रखा गया है, यह स्थिति सीधे तौर पर उच्च अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना को दर्शाती है।

विशेषज्ञ चिकित्सक बनाम चिकित्सा अधिकारी

स्वास्थ्य विभाग के सेवा नियमों के अंतर्गत विकासखंड चिकित्सा अधिकारी जैसे प्रशासनिक एवं प्रबंधकीय पद के लिए प्राथमिकता के आधार पर सामान्य चिकित्सा अधिकारी की नियुक्ति की जानी चाहिए। इसका मूल उद्देश्य यह होता है कि विशेषज्ञ चिकित्सक (एमडी/एमएस) अपने विशिष्ट चिकित्सकीय ज्ञान का उपयोग मरीजों के उपचार में कर सकें, न कि प्रशासनिक फाइलों और व्यवस्थाओं में उलझे रहें। जयसिंहनगर स्वास्थ्य केंद्र में नियमों के अनुरूप बीएमओ का प्रभार संभालने योग्य एवं पात्र चिकित्सा अधिकारी मौजूद हैं। इसके बावजूद योग्य चिकित्सा अधिकारियों की अनदेखी करते हुए एमडी उपाधि धारक चिकित्सक को प्रशासनिक कुर्सी सौंपी गई है। यदि विशेष परिस्थितियों में एमडी चिकित्सक को प्रशासनिक दायित्व दिया भी जाता है, तो वह केवल अस्थायी व्यवस्था होती है, जिसे स्थायी रूप से चलाना नियमों के विपरीत माना जाता है।

आरोपों से घिरे होने के बाद भी अभयदान

विगत समय में अनेक विवादों और गंभीर आरोपों से घिरे रहने के बावजूद उक्त चिकित्सक का बीएमओ पद पर बने रहना कई गंभीर प्रश्न खड़े करता है। स्थानीय प्रशासनिक हलकों में यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि या तो उक्त चिकित्सक का राजनीतिक एवं प्रशासनिक रसूख इतना प्रबल है कि शासन का 09 अक्टूबर का आदेश भी उनके सामने प्रभावहीन साबित हो रहा है, अथवा जिला स्वास्थ्य प्रशासन जानबूझकर आंखें मूंदे बैठा हुआ है। एक तरफ जहां ग्रामीण अंचलों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की भारी कमी बनी हुई है, वहीं एक एमडी स्तर के चिकित्सक को प्रशासनिक कार्यभार में उलझाकर रखा गया है, जिससे क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाएं और आम जनता का उपचार प्रभावित हो रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या संभागीय क्षेत्रीय संचालक के पत्र का पालन करते हुए सीएमएचओ शहडोल इस गैर-कानूनी संलग्नीकरण को समाप्त कर संबंधित चिकित्सक को उनके मूल पदस्थापना स्थल पर वापस भेजेंगे, या फिर रसूख के बल पर शासकीय नियमों की बलि यूं ही चढ़ती रहेगी।

सिंगरौली के कृषकों ने सीखे वैज्ञानिक गुर

आधुनिक व प्राकृतिक खेती से बढ़ेगी किसानों की आय



शहडोल। कृषि को लाभ का धंधा बनाने और कम लागत में बेहतर पैदावार हासिल करने के उद्देश्य से सिंगरौली जिले के किसान दल ने 19 अक्टूबर 2026 को कृषि विज्ञान केंद्र शहडोल का शैक्षणिक भ्रमण किया। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के सौजन्य से आयोजित इस भ्रमण में कृषकों ने जैविक, प्राकृतिक एवं आधुनिक कृषि पद्धतियों की बारीकियां सीखीं। केन्द्र के प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. मृगेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में किसानों को मिट्टी के स्वास्थ्य, संतुलित खाद प्रयोग, प्राकृतिक कीटनाशक और रबी फसलों की उन्नत किस्मों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

डॉ. मृगेंद्र सिंह ने किसानों को आगाह किया कि रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरता घट रही है और लागत बढ़ रही है। उन्होंने किसानों को हमेशा मृदा परीक्षण की रिपोर्ट के आधार पर ही संतुलित मात्रा में खाद डालने की सलाह दी। इसके अलावा उन्होंने बीजामृत, जीवामृत, नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र और दशपर्णी जैसे प्राकृतिक जैविक उत्पाद तैयार करने व उनके सही प्रयोग की तकनीक समझाई।

केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. बृजकिशोर प्रजापति ने सीमित सिंचाई साधनों वाले क्षेत्रों के लिए उतेरा खेती को सबसे उपयुक्त विकल्प बताया। उन्होंने बताया कि वर्षा आधारित धान की कटाई से 10-15 दिन पहले खेत में नमी रहते हुए ही अलसी, मसूर, मटरी और तिवड़ा के बीजों का छिडक़ाव कर देना चाहिए। इससे धान के साथ-साथ दलहन-तिलहन की अतिरिक्त फसल मिल जाती है। उन्होंने सब्जियों की खेती से नियमित आय अर्जित करने तथा 5त्न नीमगिरी अर्क, बैसिलस व स्यूडोमोनास के प्रयोग से चूसक कीटों एवं रोगों के प्राकृतिक नियंत्रण के उपाय भी बताए।

वैज्ञानिक डॉ. दीपक चौहान ने परजीवी अमरबेल खरपतवार की पहचान और उसके नियंत्रण के तरीके बताए। उन्होंने बताया कि प्रभावित पौधों को उखाडक़र नष्ट करें और बुवाई के तुरंत बाद पेन्डीमेथालिन का उपयोग करें। विशेषज्ञों ने किसानों से अपील की कि वे अपने क्षेत्र की जलवायु और बाजार की मांग के अनुरूप वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर अपनी आय दोगुनी करने की दिशा में कदम बढ़ाएं।

भक्ति, उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ गरबा महोत्सव

विधायक मनीषा सिंह ने लिया मां दुर्गा का आशीर्वाद



जयसिंहनगर। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित भव्य गरबा महोत्सव के तीसरे दिन समूचा वातावरण भक्ति, उत्साह और आध्यात्मिक उमंग से सराबोर उठा। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, जहां डांडिया की लयबद्ध थाप और मां जगदम्बा के भजनों पर लोग देर रात तक झूमते नजर आए। इस पावन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जयसिंहनगर की विधायक श्रीमती मनीषा सिंह उपस्थित हुईं। उन्होंने मां शक्ति के चरणों में शीश नवाकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा क्षेत्रवासियों की सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक सांस्कृतिक आयोजन हमारी प्राचीन सनातन परंपराओं को जीवंत बनाए रखने के साथ-साथ समाज में आपसी भाईचारे और समरसता का संदेश फैलाते हैं। कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथियों एवं गणमान्य नागरिकों का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान पूर्व भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष सतिका प्रसाद तिवारी, पूर्व मंडल अध्यक्ष राम नारायण पांडे, सांसद प्रतिनिधि रावेन्द्र शर्मा, नगर परिषद उपाध्यक्ष संपत मिश्रा, गोहपारू मंडल अध्यक्ष अन्नू शर्मा एवं भाजपा जिला मंत्री कविता सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे।

समारोह में भाजपा नेता व पार्षद नीरज शर्मा, दीपक पयासी, दिनेश पयासी, रामनिवास तिवारी, उपसरपंच ज्योति शर्मा, उपसरपंच मुकेश गौतम तथा समाज सेवी विजय दुबे व मेराज खान ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसके अतिरिक्त सूचना एवं संचार माध्यमों से पंकज पांडेय और राकेश गुप्ता भी मौजूद रहे।

महोत्सव के सफल संचालन में कार्यक्रम प्रमुख हिमांशु गुप्ता, रिंकू गुप्ता, भोलू केशरवानी, सुरेश गुप्ता, सुभाष गुप्ता, प्रवीण गुप्ता, राजा ताम्रकर, देवेंद्र गुप्ता तथा विकास मंच के समस्त सहयोगियों का विशेष योगदान रहा। आयोजकों ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। संपूर्ण परिसर मां शेरावाली के जयकारों से गूंजायमान रहा।

शौर्य, शक्ति और परंपरा का संगम: दशहरे पर पुलिस लाइन में हुआ शस्त्र पूजन

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से संपन्न हुआ पूजन एवं हवन





शस्त्र संचालन और वाहन पूजन का भी हुआ आयोजन

शहडोल। दशहरा पर्व के पावन अवसर पर पुलिस एवं जिला प्रशासन द्वारा पुलिस लाइन शहडोल में जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में समारोहपूर्वक शस्त्र पूजन किया गया। इस अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं हवन संपन्न हुआ। शस्त्र पूजन के साथ शस्त्र संचालन का प्रदर्शन भी किया गया। इसके अलावा वाहनों का पूजन भी किया गया।

कार्यक्रम में विधायक श्रीमती मनीषा सिंह, पुलिस महानिरीक्षक सुश्री एन. चैत्रा, पुलिस उप महानिरीक्षक विवेक सिंह, कलेक्टर पार्थ जायसवाल, पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय अग्रवाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अपर कलेक्टर संरोधन सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान तथा एसडीएम श्रीमती अमृता गर्ग उपस्थित रहीं। इसी प्रकार नगरपालिका अध्यक्ष घनश्याम दास जायसवाल, जिला योजना समिति की सदस्य श्रीमती अमिता चपरा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पाण्डेय सहित उप पुलिस अधीक्षक, नगर निरीक्षक, रक्षित निरीक्षक (आरआई) एवं पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया से जुड़े पत्रकार भी उपस्थित रहे। समारोह में दशहरा पर्व की परंपरा के अनुरूप शस्त्र पूजन कर शक्ति, साहस और कर्तव्यनिष्ठा के प्रतीक के रूप में शस्त्रों का पूजन किया गया।



क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं ने स्वास्थ्य केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

शहडोल। क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. जी.एस. परिहार ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरकंटक एवं पुष्पराजगढ़ का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों में साफ-सफाई की व्यवस्था, मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं, दवाओं की उपलब्धता तथा स्वास्थ्य अमले की उपस्थिति का जायजा लिया। डॉ. परिहार ने स्वास्थ्य केंद्रों में व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों में स्वच्छता बनाए रखने, मरीजों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने, आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा सभी चिकित्सकों एवं कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं के सुचारु संचालन और मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

पुलिस शहीद दिवस पर शहडोल पुलिस लाइन में भावुक क्षण

वीर सपूतों को नम आंखों से दी श्रद्धांजलि

शहीद परिवारों का शाल-श्रीफल से किया सम्मान



शहडोल। देश की सुरक्षा और अखंडता की वेदी पर अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों की स्मृति में मंगलवार को शहडोल पुलिस लाइन स्थित शहीद स्मारक परिसर में पुलिस शहीद दिवस श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाया गया। कर्तव्य पथ पर सर्वस्व न्योछावर करने वाले जांबाज जवानों को याद करते हुए प्रशासनिक अधिकारियों, जन प्रतिनिधियों और पुलिस बल के जवानों ने पुष्पचक्र अर्पित कर नमन किया।

अनुशासित परेड के साथ दिया गया गॉर्ड ऑफ ऑनर- कार्यक्रम की शुरुआत में पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय अग्रवाल ने परेड की सलामी ली। तत्पश्चात उन्होंने चालू वर्ष के दौरान देश सेवा में अपने जीवन का बलिदान देने वाले देशभर के वीर शहीदों नामावली का वाचन किया। परेड कमांडर अनिरुद्ध मीणा के कुशल नेतृत्व में सशस्त्र पुलिस बल की टुकड़ी ने शोक शस्त्र धारण कर अदम्य साहस के प्रतीक शहीदों को अंतिम सलामी दी। इस दौरान पूरा माहौल देशभक्ति और शहीदों के प्रति कृतज्ञता के भाव से सराबोर हो गया। शहीद के परिजनों का सम्मान, छलके आंसू समारोह का सबसे संवेदनशील और भावुक क्षण वह रहा जब पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय अग्रवाल ने शहीद स्वर्गीय देवेन्द्र सोनी की माता श्रीमती लक्ष्मी सोनी तथा शहीद स्वर्गीय प्रदीप द्विवेदी की पत्नी श्रीमती मंजू द्विवेदी को मंच पर आमंत्रित कर शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। उपस्थित जनसमुदाय ने खड़े होकर शहीद परिवारों के त्याग, धैर्य और अमर बलिदान के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की।

जनप्रतिनिधियों व आला अफसरों ने अर्पित किए श्रद्धासुमन- शहीद स्मारक पर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह, पुलिस महानिरीक्षक सुश्री एन. चैत्रा, पुलिस उपमहानिरीक्षक विवेक सिंह, कलेक्टर पार्थ जायसवाल, जिला पंचायत सीईओ शिवम प्रजापति, वनमंडलाधिकारी तरुणा वर्मा, एएसपी अभिषेक दीवान तथा नगरपालिका अध्यक्ष घनश्याम दास जायसवाल ने पुष्पचक्र चढ़ाकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इनके अलावा जिला योजना समिति सदस्य अमिता चपरा, संतोष लोहानी, सौरभ गोले सहित सीएसपी, थानों के थाना प्रभारी, आरक्षक वर्ग एवं स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों ने भी स्मारक पर पुष्प अर्पित कर वीर सपूतों की शहादत को याद किया।

प्रेरणा पुंज बना रहेगा वीर जवानों का त्याग- कार्यक्रम का कुशल संचालन जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पाण्डेय ने किया। उपस्थित वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि पुलिस जवानों का यह सर्वोच्च बलिदान केवल एक परिवार की क्षति नहीं है, बल्कि यह पूरे राष्ट्र की धरोहर है। शहीदों की यह अमर गाथाएं आने वाली पीढ़ियों को सदैव कर्तव्यनिष्ठा, राष्ट्रप्रेम और निस्वार्थ समाज सेवा का पाठ पढ़ाती रहेंगी।

कार्यालय नगरपालिका परिषद् धनपुरी, जिला - शहडोल (म.प्र.)
(कार्यालय दूरभाष नं. एवं फैक्स नं. 07552-250318, E-mail ID-cmodhanpuri@mpurban.gov.in)

क्रमांक/न.पा./ लो.नि./ 2020-27/1413 धनपुरी, दिनांक 15/10/2026

ऑनलाईन निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mpteders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक एवं टेण्डर आई.डी.	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	1236-Date-07-10-2026 2026_UAD_545193_1	Construction of BT road at ward no 10.11.12.13 Gas Godam to amradandi bazar, railway fatak and baldev house to samudayik bhawan to police station.	60 दिवस 53.48 लाख	10000/- एवं 40000/-	10.11.2026 05.30PM
2	1234-Date-07-10-2026 2026_UAD_541584_1	Renovation and Beautification of Municipal Council Dhanpuri Building at ward no 20	60 दिवस 27.11 लाख	5000/- एवं 20500/-	10.11.2026 05.30PM
3	1235-Date-07-10-2026 2026_UAD_541590_1	Renovation and Beautification of Indoor Stadium Building at ward no 20	60 दिवस 66.74 लाख	10000/- एवं 50000/-	10.11.2026 05.30PM
4	1237-Date-07-10-2026 2026_UAD_541601_1	Construction of BT road at ward no 23, 24 jwala-mukhi gate to jwalamukhi mandir.	60 दिवस 24.23 लाख	5000/- एवं 18200/-	10.11.2026 05.30PM

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद धनपुरी जिला - शहडोल (म.प्र.)

खबर संक्षेप

खेत देखने गए किसान पर पीछे से किया शेर ने हमला, बाल-बाल बची जान



उमरिया। जिले के करकेली थाना अंतर्गत बकेली गांव में सुबह-सुबह धान के खेत में घात लगाकर बैठे शेर ने खेत देखने गए एक युवक पर अचानक जानलेवा हमला कर दिया। गनीमत रही कि सूझबूझ और शोर-शराबे के चलते युवक की जान बाल-बाल बच गई। जानकारी के अनुसार, बकेली निवासी 35 वर्षीय हेतराम बैगा पिता गोजा बैगा सुबह करीब 8 बजे अपने साथी के साथ खेत में धान की फसल का जायजा लेने गए थे। जब दोनों खेत की मेड पर चल रहे थे, तभी फसल के बीच छिपे शेर ने हेतराम पर पीछे से हमला कर दिया। इस अचानक हुए हमले में युवक के दोनों हाथों, कंधों और पीठ पर गंभीर जख्म हो गए हैं। साथी ने अपनी जान बचाने के लिए भागकर पास के तालाब में छलांग लगा दी। हमले के दौरान हेतराम ने हिम्मत दिखाते हुए जोर-जोर से शोर मचाया, जिससे घबराकर आक्रामक वन्यजीव वहां से जंगल की ओर भाग निकला।

स्वास्थ्य विभाग की सरपरस्ती में धड़ल्ले से फल-फूल रहा फर्जीवाड़े का अवैध कारोबार

बिना रजिस्ट्रेशन के चल रही थी आस्था हेल्थ केयर एंड पैथोलॉजी

पर्दाफाश होने के बाद अब कागजों की दौड़ में जुटे संचालक

मानपुर। मानपुर जनपद अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाओं का भगवान ही मालिक है। सरकारी सिस्टम की सुस्ती और जिम्मेदारों की आंख मूंदने की नीति का फायदा उठाकर ग्रामीण अंचलों से लेकर मुख्यालय तक झोलाछाप और फर्जी पैथोलॉजी संचालकों के हौसले बुलंद हैं। मानपुर के शहडोल रोड पर धड़ल्ले से संचालित हो रही आस्था हेल्थ केयर सेंटर एवं पैथोलॉजी का एक ऐसा ही कारनामा सामने आया है, जिसने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हद तो तब हो गई जब यह खुलासा हुआ कि यह पैथोलॉजी बिना किसी वैध रजिस्ट्रेशन और अनुमति के लंबे समय से मजे में संचालित हो रही थी। जब इस अवैध खेल की पोल खुली और मीडिया ने इसे प्रमुखता से उठाया, तब जाकर संचालकों की नींद टूटी और वे अब रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन करने की खानापूर्ति कर रहे हैं।

बिना कागजात के मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़

मानपुर मुख्यालय के व्यस्ततम शहडोल रोड पर स्थित आस्था हेल्थ केयर सेंटर एवं पैथोलॉजी का सच किसी बड़े घोटाले से कम नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, इस सेंटर का संचालन बिना किसी पुख्ता और वैध पंजीयन के धड़ल्ले से किया जा रहा था। जब इस गंभीर मामले पर संचालक सतीश पटेल से पड़ताल की गई, तो उनका भी यही कबूलनामा सामने आया कि दुकान का रजिस्ट्रेशन पहले नहीं था,



बल्कि मीडिया में खबर आने के बाद अब कागजी प्रक्रिया पूरी करने के लिए आवेदन डाला गया है। सवाल यह उठता है कि आखिर इतने दिनों तक बिना पंजीयन के संचालित इस लैब में मासूम मरीजों की खून जांच और अन्य पैथोलॉजी टेस्ट किसके इशारे पर किए जा रहे थे? क्या स्वास्थ्य विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा था?

झोलाछाप संस्कृति का मकडज़ाल

सुप्रीम कोर्ट और इंडियन मेडिकल काउंसिल के सख्त दिशा-निर्देशों के बावजूद मानपुर क्षेत्र में नियमों को ताक पर रखकर लैबों का संचालन किया जा रहा है। कायदों के अनुसार पैथोलॉजी लैब चलाने के लिए केवल योग्य एमडी पैथोलॉजिस्ट ही मान्य होते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। चर्चा यह है कि कथित लैब संचालकों द्वारा भारी-भरकम विज्ञापनों और सांठ-गांठ के जरिए डॉक्टरों की डिग्रियां किराए पर ली जाती हैं या महज कागजों में नाम चलाकर अवैध दुकानें सजाई जाती हैं। इस बाबत जब जिम्मेदार अधिकारियों से पक्ष जानने का प्रयास किया गया, तो मानपुर के बीएमओ डॉ. एन.पी. जैसल से संपर्क साधना चाहा गया, लेकिन उनके द्वारा फोन उठाना तक मुनासिब नहीं समझा गया। इससे साफ जाहिर होता है कि स्वास्थ्य विभाग के नुमाइंदों की इन अवैध संचालकों पर या तो मेहरबानी है या वे इस पूरे रैकेट में आंखें मूंदकर बैठे हैं।

मरीजों की जेब पर डाका और आर्थिक शोषण

मानपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के इर्द-गिर्द और शहडोल रोड पर खुली ऐसी फर्जी पैथोलॉजी और क्लीनिकों का मुख्य एजेंडा सिर्फ और सिर्फ मरीजों का आर्थिक शोषण करना रह गया है। अस्पताल आने वाले सीधे-साधे और गरीब ग्रामीणों को मामूली बीमारी में भी भारी-भरकम रक्त जांच और अन्य टेस्टों के दलदल में धकेल दिया जाता है। जहां डॉक्टर की सलाह या मेडिकल जरूरत नहीं होती, वहां भी कमीशनखोरी के चक्कर में मरीजों को जबरन पैथोलॉजी का चक्कर कटवाया जाता है। आस्था हेल्थ केयर एंड पैथोलॉजी जैसे संस्थान इसी अवैध नेटवर्क का केंद्र बनकर उभरे हैं, जहां मरीजों की सेहत से ज्यादा उनकी जेब काटी जा रही है।

यह कहते हैं नियम और क्या होगी कार्रवाई

मध्य प्रदेश शासन एवं मेडिकल काउंसिल के स्पष्ट प्रावधानों के अनुसार, बिना वैध पंजीयन और मानकों के विपरीत पैथोलॉजी लैब या स्वास्थ्य केंद्र चलाना गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर तुरंत एफआईआर दर्ज कर आपराधिक धारा के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। बावजूद इसके, मानपुर के शहडोल रोड पर नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। अब देखना यह होगा कि इस खुलासे के बाद जिला प्रशासन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी इस अवैध और गैर-पंजीकृत आस्था हेल्थ केयर एंड पैथोलॉजी पर ताला लगाते हैं या फिर कागजी औपचारिकता पूरी करवाकर मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ का यह दौर यूं ही बदस्तूर जारी रहेगा। क्षेत्र की जनता अब स्वास्थ्य विभाग के इन जिम्मेदार जिम्मेदारों की चुप्पी टूटने और कड़ी कार्रवाई का इंतजार कर रही है।

इनका कहना है...

रजिस्ट्रेशन वगैरह प्रोसेस में डाल दिया गया है, कागजात और सभी दस्तावेज पूरे तैयार हो चुके हैं, सभी प्रक्रियाएं पूरी और कम्पलीट हैं तथा काम चल रहा है, कागजी कार्रवाई पूरी हो चुकी है।
सतीश पटेल
संचालक
आस्था हेल्थ केयर सेंटर एवं पैथोलॉजी

******

पैथोलॉजी अलग है और क्लिनिक अलग है, सरकारी समय के बाद कभी-कभार जब समय मिलता है जैसे दोपहर 2 बजे से 4:30-5 बजे तक या शाम को तब क्लिनिक में बैठते हैं। हमारा वैध रजिस्ट्रेशन है और हम नॉन-प्रैक्टिस अलाउंस (एनपीए) भी नहीं लेते, आस्था हेल्थ केयर सेंटर एवं पैथोलॉजी का रजिस्ट्रेशन अलग है, आस्था हेल्थ केयर एवं पैथोलॉजी के संचालक इसके लिए रजिस्ट्रेशन करवाने या किसी अन्य पैथोलॉजी से बात करने की बात कह रहे थे।
डॉ. राजेंद्र माझी
मेडिकल ऑफिसर
मानपुर

जोहिला पुल के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से पल्सर सवार युवक गंभीर, शहडोल रेफर



उमरिया। जिले के पाली जनपद अंतर्गत जोहिला पुल के पास एक दर्दनाक सडक़ हादसे में मोटरसाइकिल सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। अज्ञात वाहन की टक्कर से पल्सर सवार रंजीत चौधरी पिता लल्ला चौधरी, निवासी सलैया के सिर पर गंभीर चोट आई है। टक्कर इतनी भीषण थी कि दुर्घटना में बाइक के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना के बाद आरोपी चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। इस दौरान शहडोल से मरीज छोडक़र लौट रही 108 एम्बुलेंस के कर्मचारियों की नजऱ सडक़ पर लहूलुहान पड़े युवक पर पड़ी। एम्बुलेंस कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए घायल को तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पाली पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद युवक की नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे शहडोल रेफर कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, घायल का इलाज शहडोल स्थित आदित्य अस्पताल में जारी है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

विजयादशमी के अवसर पर पुलिस लाइन में शस्त्र पूजन कार्यक्रम संपन्न

प्रभारी कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में हुआ आयोजन

उमरिया। विजयादशमी के पावन अवसर पर पुलिस लाइन उमरिया में शस्त्र पूजन कार्यक्रम श्रद्धा एवं परंपरागत विधि-विधान के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रभारी कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह एवं पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर शस्त्रों का पूजन कर सुख, शांति, समृद्धि एवं राष्ट्र की सुरक्षा की कामना की गई।प्रभारी कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत श्री अभय सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति में शस्त्र पूजन शक्ति, साहस



और सुरक्षा के प्रति समर्पण का प्रतीक रहा है। विजयादशमी का पर्व हमें राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को बनाए रखने तथा अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम के माध्यम से सभी ने समाज में शांति, सद्भाव और सुरक्षा बनाए रखने तथा राष्ट्र की सेवा के प्रति अपने संकल्प को मजबूत करने का संदेश दिया। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी ने कहा कि विजयादशमी केवल उत्सव नहीं, बल्कि धर्म की स्थापना, अन्याय के प्रतिकार और सत्य की विजय का संदेश देने वाला पर्व है। शस्त्र पूजन की परंपरा शौर्य, साहस और कर्तव्यबोध का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पुलिस बल का दायित्व समाज में कानून-व्यवस्था बनाए रखना तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अलोक कुमार शर्मा, नगर निरीक्षक थाना कोतवाली सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

18 वर्षों बाद अंतरक्षेत्रीय हॉकी प्रतियोगिता में जमुना-कोतमा क्षेत्र ने लहराया परचम

नगर पालिका अध्यक्ष राम अवध सिंह ने खिलाड़ियों को शाल-श्रीफल देकर किया सम्मानित



भालुमाड़ा। एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर द्वारा आयोजित अंतरक्षेत्रीय हॉकी प्रतियोगिता 2026-27 में जमुना-कोतमा क्षेत्र की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबला जीतकर खिताब अपने नाम किया। 18 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद मिली इस ऐतिहासिक सफलता से क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला 17 अक्टूबर को बिलासपुर के राज्य खेल प्रशिक्षण केंद्र, बेहतराई में संपन्न हुआ। महाप्रबंधक प्रभाकर राम त्रिपाठी के मार्गदर्शन में टीम ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन कर जमुना-कोतमा क्षेत्र का नाम रोशन किया। जीत के बाद खिलाड़ियों के क्षेत्र में पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। इसी क्रम में नगर पालिका परिषद पसान के अध्यक्ष राम अवध सिंह ने सभी खिलाड़ियों को शाल-श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष राम अवध सिंह के साथ भाजपा मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह मिंटू, पूर्व मंडल अध्यक्ष लाल बहादुर जायसवाल, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह, उपयंत्री उमेश त्रिपाठी सहित क्षेत्र के पत्रकार, नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष राम अवध सिंह ने कहा कि 18 वर्षों बाद अंतरक्षेत्रीय हॉकी प्रतियोगिता का खिताब जीतना पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत, लगन और खेल भावना से यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह, मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह मिंटू एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष लाल बहादुर जायसवाल ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यह जीत खिलाड़ियों के कठिन परिश्रम, अनुशासन और संघर्ष का परिणाम है। टीम ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। टीम कप्तान कौशलेंद्र तिवारी ने खिलाड़ियों के सम्मान के लिए नगर पालिका अध्यक्ष राम अवध सिंह एवं नगर पालिका परिषद पसान का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि टीम ने जीत के लिए पूरी मेहनत की और क्षेत्रवासियों से मिले सम्मान से खिलाड़ियों का उत्साह और बढ़ा है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीम में मुजफ्फर हुसैन, सोनल आर. गारकर, उत्कर्ष सिंह, लाल बहादुर सिंह, कप्तान कौशलेंद्र तिवारी, उपकप्तान प्रमोद कुमार, शशांक सावकर, सूरज कुमार बरमार, अरविंद कुमार भारती, रूपेश नायक, अमित मंडल, अमरनाथ मिश्रा, विवेक मंडल, दीपक बिंद, मिथिलेश यादव, निलेश तिवारी एवं कुमार सिंह उइके शामिल रहे। टीम के कोच प्रदीप मिश्रा तथा टीम मैनेजर हरजेश शर्मा एवं प्रदीप खंडई का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष अजय द्विवेदी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन नगर पालिका के वरिष्ठ कर्मचारी संजय त्रिपाठी ने किया।

आज से 31 दिसंबर तक चलेगा वित्तीय समावेशन अभियान

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशानुसार जिले में 21 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2026 तक वित्तीय समावेशन अभियान चलाया जाएगा। भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग के अंतर्गत संचालित इस अभियान के तहत जिले की समस्त ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक ने जिले के सभी बैंक शाखा प्रबंधकों को शिविरों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। शिविरों में पात्र हितग्राहियों को विभिन्न बैंकिंग योजनाओं एवं वित्तीय सेवाओं की जानकारी देने के साथ उन्हें योजनाओं से जोडऩे तथा लंबित प्रकरणों का निराकरण करने पर विशेष जोर दिया जाएगा।अभियान का उद्देश्य आमजन को बैंकिंग सेवाओं के प्रति जागरूक करना तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना है।

सीटू की पहल लाई रंग



दो साल से बकाया 10.70 लाख रुपये की मजदूरी का भुगतान, 14 श्रमिकों के घर लौटी खुशियां

जैतहरी। संयुक्त ठेकेदारी मजदूर यूनियन (सीटू) की पहल से दो वर्षों से लंबित मजदूरी का भुगतान होने पर श्रमिकों में खुशी की लहर दौड़ गई है। मामला रुंगटा माइंस, ओडिशा का है, जहां श्रमिक जमुना प्रसाद राठौर सहित कुल 14 श्रमिकों की लंबे समय से मजदूरी बकाया थी। यूनियन के प्रयासों से श्रमिकों को कुल 10,70,971 (दस लाख सत्तर हजार नौ सौ इकहत्तर रुपये) का भुगतान कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बकाया मजदूरी के भुगतान को लेकर श्रम न्यायालय, शहडोल में प्रकरण दायर किया गया था। यूनियन की पहल और कानूनी प्रयासों के परिणामस्वरूप प्रकरण का समझौते के माध्यम से निराकरण हुआ और श्रमिकों को उनकी बकाया मजदूरी प्राप्त हुई। इस सफलता से श्रमिकों को बड़ी राहत मिली है। लंबे समय से अपनी मेहनत की कमाई के लिए इंतजार कर रहे श्रमिकों और उनके परिवारों में खुशी का माहौल है। संयुक्त ठेकेदारी मजदूर यूनियन (सीटू) ने श्रमिकों के अधिकारों के लिए संघर्ष करते हुए एक बार फिर यह संदेश दिया है कि संगठित प्रयासों से मजदूरों को न्याय दिलाया जा सकता है। इस प्रकरण में यूनियन के अध्यक्ष कामरेड जुगुल किशोर राठौर तथा अधिवक्ता सुनील कुमार श्रीवास्तव और मृगेंद्र सिंह की भूमिका सराहनीय रही है। यूनियन का संकल्प है कि श्रमिकों की बकाया मजदूरी, उनके अधिकारों और न्याय के लिए संघर्ष लगातार जारी रहेगा।

कोतमा नगर में धूमधाम से संपन्न हुआ दशहरे का पर्व

गल्ला मंडी स्थित विसर्जन कुंड में हुआ दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन

40 फीट के रावण का दहन, जय श्रीराम के जयघोष से गूंजा नगर

कोतमा। नगर में असत्य पर सत्य, अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक विजयादशमी यानी दशहरे का पर्व हर्षोल्लास, श्रद्धा और उत्साह के साथ धूमधाम से संपन्न हुआ। पूरे नगर में दशहरे को लेकर उत्सव का माहौल देखने को मिला। धार्मिक आस्था, परंपरा और सामाजिक एकता के संगम के बीच आयोजित दशहरा उत्सव ने नगरवासियों को उत्साह से भर दिया। पर्व के अवसर पर 40 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग उत्सुक नजर आए। वहीं, नवरात्रि के दौरान विभिन्न पूजा पंडालों में विराजित मां दुर्गा की प्रतिमाओं का गल्ला मंडी स्थित विसर्जन कुंड में विधि-विधान के साथ विसर्जन किया गया।



40 फीट के रावण का दहन, बुराई पर अच्छाई की जीत का दिया संदेश

दशहरे के अवसर पर कोतमा नगर में 40 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। रावण दहन के साथ ही विजयादशमी के पर्व का उल्लास और अधिक बढ़ गया। इस दौरान लोगों ने बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक इस पर्व को उत्साह के साथ मनाया। दशहरा केवल रावण दहन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पर्व समाज को सत्य, न्याय, सदाचार और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। भगवान श्रीराम द्वारा रावण पर विजय प्राप्त करने की मान्यता से जुड़ा यह पर्व प्रत्येक वर्ष लोगों को यह संदेश देता है कि अहंकार, अन्याय और अधर्म चाहे कितने भी शक्तिशाली क्यों न हों, अंततः विजय सत्य और धर्म की ही होती है। नगर में दशहरा उत्सव को लेकर लोगों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी में पर्व को लेकर उमंग रही। रावण दहन के साथ ही विजयादशमी की परंपरा का निर्वहन किया गया और लोगों ने एक-दूसरे



को दशहरे की शुभकामनाएं दीं।

गल्ला मंडी स्थित विसर्जन कुंड में हुआ मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन

नवरात्रि के नौ दिनों तक नगर के विभिन्न पूजा पंडालों में मां दुर्गा की भव्य प्रतिमाओं की स्थापना कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई थी। नौ दिनों तक पूरा नगर माता की भक्ति में सराबोर रहा। मंदिरों और पूजा पंडालों में धार्मिक कार्यक्रमों, आरती और श्रद्धालुओं की आवाजाही से वातावरण भक्तिमय बना रहा। नवरात्रि की समाप्ति और दशहरे के अवसर पर मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन का क्रम संपन्न हुआ। नगर के विभिन्न पूजा स्थलों पर विराजित प्रतिमाओं को श्रद्धा और भक्ति के साथ गल्ला मंडी स्थित विसर्जन कुंड तक लाया गया, जहां उनका विसर्जन किया गया। मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं ने नम आंखों और भक्तिभाव के साथ माता रानी को विदाई दी। नौ दिनों तक मां की आराधना करने वाले भक्तों ने अगले वर्ष फिर से माता के आगमन की कामना की। नवरात्रि से लेकर दशहरे तक नगर में बना धार्मिक उत्साह इस आयोजन के साथ संपन्न हुआ।

नगर पालिका परिषद की व्यवस्था रही सराहनीय

दशहरा उत्सव और दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान नगर पालिका परिषद की व्यवस्थाएं सराहनीय रहीं। विसर्जन कुंड पर प्रतिमाओं के विसर्जन की व्यवस्था इस पर्व का महत्वपूर्ण हिस्सा रही। ऐसे आयोजनों में श्रद्धालुओं की सुविधा, साफ-सफाई और व्यवस्था बनाए रखना बेहद आवश्यक होता है। नगर में आयोजित इस धार्मिक पर्व को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में नगर पालिका परिषद की भूमिका महत्वपूर्ण रही। पर्व के दौरान बेहतर व्यवस्थाओं से आयोजन को सुचारु रूप से संपन्न कराने में सहयोग मिला। नगरवासियों के लिए धार्मिक आयोजनों के दौरान मूलभूत सुविधाओं और उचित प्रबंधन का विशेष महत्व रहता है, ताकि श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के अपनी धार्मिक परंपराओं का निर्वहन कर सकें।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन रहा मुस्तैद

दशहरा और दुर्गा प्रतिमा विसर्जन जैसे बड़े आयोजनों में कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। कोतमा नगर में पर्व के दौरान पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा। धार्मिक आयोजन के दौरान शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए पुलिस की सक्रियता महत्वपूर्ण रही। बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही और विसर्जन कार्यक्रमों को देखते हुए पुलिस प्रशासन की सतर्कता आवश्यक थी। पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में पुलिस की मुस्तैदी सराहनीय रही। नगर में धार्मिक आयोजनों के दौरान शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारा बनाए रखना सभी नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है।

धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता का संदेश

कोतमा नगर में दशहरे का पर्व धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता और आपसी सद्भाव का संदेश देकर संपन्न हुआ। नवरात्रि के दौरान जहां मां दुर्गा की आराधना में श्रद्धालु लीन रहे, वहीं दशहरे पर रावण दहन के माध्यम से सत्य और धर्म की विजय का संदेश दिया गया। दशहरा भारतीय संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व है। यह हमें सिखाता है कि जीवन में कितनी भी कठिन परिस्थितियां क्यों न आएं, हमें सत्य और न्याय का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। भगवान श्रीराम के आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज में प्रेम, सद्भाव, ईमानदारी और भाईचारे को मजबूत करना ही इस पर्व की वास्तविक भावना है।

खड़े ट्रक से टकराई बाइक, 26 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत, पीछे छूट गई एक माह की मासूम

एनएच-43 पर प्यारी के पास हुआ हादसा युवक की मौत से परिवार में पसरा मातम



बदरा/जमुना। अनूपपुर जिले के बदरा नेशनल हाईवे बस स्टैंड के पास रहने वाले 26 वर्षीय युवक प्रहलाद साहू की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई घटना 19 अक्टूबर की रात करीब 8 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर प्यारी के पास की बताई जा रही है हादसे की खबर मिलते ही परिवार में शोक की लहर दौड़ गई जवान बेटे की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रहलाद साहू निजी काम से प्यारी गया हुआ था इसी दौरान सड़क पर खड़े एक ट्रक से उसकी बाइक टकरा गई टक्कर इतनी गंभीर थी कि युवक की जान चली गई हालांकि, हादसे के सटीक कारणों और अन्य परिस्थितियों की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। प्रहलाद साहू के परिवार में इस हादसे के बाद मातम पसरा हुआ है बताया जा रहा है कि मृतक की एक वर्षीय बेटी और महज एक माह का बेटा है इतनी कम उम्र में बच्चों के सिर से पिता का साया उठ जाने की खबर ने लोगों को भावुक कर दिया है। परिवार के लिए यह क्षति अपूरणीय है। जानकारी के मुताबिक, प्रहलाद साहू गैरेज में मिस्त्री का काम करता था उसके पिता का नाम भगवान दास साहू बताया गया है मेहनत-मजदूरी कर परिवार की जिम्मेदारियां निभाने वाले युवक की असमय मौत से परिवार के सामने दुख के साथ भविष्य की चिंता भी खड़ी हो गई है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर खड़े वाहनों के कारण होने वाली दुर्घटनाएं एक बार फिर सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े करती हैं सड़क किनारे या हाईवे पर वाहन खड़ा करते समय पर्याप्त सुरक्षा संकेतक और अन्य जरूरी सावधानियां अपनाना बेहद आवश्यक है, ताकि इस तरह के हादसों को रोका जा सके।

खबर संक्षेप



गरबा, भजन संध्या एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

अमलाई। नवरंग गरबा एवं सांस्कृतिक समिति के तत्वावधान में सोडा फैक्ट्री स्टेज पर गरबा, भजन संध्या एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला। गरबा की मनमोहक प्रस्तुतियों और भजनों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने गरबा की रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति और परंपराओं की सुंदर झलक प्रस्तुत की। वहीं, भजन संध्या में भक्तिमय गीतों से वातावरण आध्यात्मिक हो गया। आयोजन में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम की रौनक बढ़ाई।समिति की ओर से आयोजन में सहयोग एवं सहभागिता करने वाले प्रमुख सदस्यों में विवेक पाण्डेय, विमला दुबे, राधिका नागपुरे, निर्मला विश्वकर्मा, संगीता तिवारी (रूबी), मानसी मिश्रा, अंकुल द्विवेदी, गायत्री बैगा, प्रदीप द्विवेदी, वही अपनी अच्छी प्रस्तुतियों से नव्या मिश्रा,कृतिका मिश्रा,आयुसी गुप्ता, नंदिनी, सिया सेन,प्रियंका, मेहंदी, आस्था, वैष्णवी, शिवांगी द्विवेदी, खुशबू एवं सौम्या ने लोगो का मन मोह लिया।नवरंग गरबा एवं सांस्कृतिक समिति का उद्देश्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से समाज में एकता, सद्भाव और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना तथा नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से जोड़ना है।

विजयादशमीः अहंकार के प्रतीक रावण का दहन



शहडोल। अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक महापर्व विजयादशमी मंगलवार को शहडोल में हर्षोल्लास और पारंपरिक गरिमा के साथ मनाया गया। शहर के पॉलिटेक्निक ग्राउंड में आयोजित भव्य रावण दहन कार्यक्रम में हजारों की संख्या में शहरवासी जुटे। बुराई के प्रतीक पुतले के धधकते ही पूरा आसमान जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सोहागपुर रामलीला मंडली की सजीव प्रस्तुति और लकी चतुर्वेदी की टीम के सांस्कृतिक गीत रहे, जिन्होंने समां बांध दिया।

अहंकार का अंत और भीतर की बुराई को मिटाने का संदेश

समारोह को संबोधित करते हुए सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने कहा कि विजयादशमी सिर्फ एक परंपरा या रावण दहन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पर्व हमें अपने भीतर छिपे अहंकार, ईर्ष्या और नकारात्मक विचारों को समाप्त करने की गहरी प्रेरणा देता है। सांसद ने कहा बुराई चाहे कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो, उसका अंत निश्चित है। हमारी सांस्कृतिक विरासत पीढ़ियों से हमें यही सिखाती आई है। उन्होंने सोहागपुर रामलीला मंडली की सराहना करते हुए कहा कि वर्षों से इस परंपरा को जीवंत रखकर मंडली के कलाकारों ने हमारी लोक संस्कृति को संजोकर रखने का अनुकरणीय कार्य किया है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को हमारी गौरवशाली धरोहर से जोड़ते हैं।

भगवान श्रीराम के आदर्शों से ही संवरेंगे परिवार और समाज

जयसिंहनगर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम हम सभी के सर्वमान्य प्रेरणास्रोत हैं। रावण के पास असीम ज्ञान और सामर्थ्य था, लेकिन उसका अहंकार ही उसके विनाश का कारण बना।

बुढार में दशहरा उत्सव पूरे भव्यता के साथ मनाई गई 51 फुट ऊंचे विशालकाय रावण पुतले का हुआ दहन







बुढार। असत्य पर सत्य के विजयी का प्रतीक विजयादशमी का पावन पर्व दशहरा उत्सव समिति बुढार द्वारा स्व. कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम बुढार मे पूरे उल्लास के साथ मनाया गया और भक्तिभाव से ओत-प्रोत भजन व गीतों की मनोहारी प्रस्तुति के साथ ही उत्सव स्थल पर विभिन्न दुर्गोत्सव समितियों द्वारा लायी गयी झांकी श्रद्धा व आस्था का केंद्र बिंदु रही, गीत व संगीत के मध्य तथा आतिशबाजी के साथ ही इस वर्ष 51 फुट ऊंचे विशालकाय रावण पुतले का दहन दर्शकों के विशाल उपस्थिति में किया गया।

श्रीराम दरबार की मनमोहक झांकी श्रीराम जानकी मंदिर से निकाली गई जो बाजे-गाजे व जयघोष के साथ दशहरा स्थल पहुंची जहां अतिथियों ने पूजन अर्चन की। नगर मे प्रतिष्ठित समाजसेवी एवं पूर्व विधायक छोटे लाल सरावगी के संयोजन में प्रतिवर्ष पूरे उल्लास के साथ बुढार में मनाये जानें वाले दशहरा उत्सव की श्रृंखला में इस वर्ष भी विविध कार्यक्रमों के मध्य भव्यता से यह पर्व मनाया गया, जिसे देखने नगर तथा आस-पास के ग्रामीण अंचलों के नागरिकों का विशाल हुजूम असत्य पर सत्य की जीत के प्रतीक पर्व को देखने आयोजन स्थल पहुंचा और कार्यक्रम को देख करतल ध्वनि से सराहना की।

दशहरा उत्सव कार्यक्रम जैतपुर क्षेत्र के विधायक जयसिंह मरावी के मुख्यातिथ्य मे तथा नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी की अध्यक्षता में मनाया गया।

इस वर्ष - स्थल चौंकी साज-सज्जा का प्रथम पुरस्कार - गायत्री नवदुर्गा समिति वार्ड क्र. 4, द्वितीय पुरस्कार नव चेतना दुर्गा उत्सव समिति वार्ड क्र. 10 तृतीय पुरस्कार मां मन्नत वाली काली मां महाकाली समिति वार्ड क्र. 13 को तथा उत्सव में अच्छा संदेश संप्रेषित करने वाले समिति को संदेशात्मक पुरस्कार की श्रंखला में प्रथम नवचेतना दुर्गा उत्सव समिति बुढार, द्वितीय नवरात्रि दुर्गा उत्सव समिति वार्ड क्र. 5, तृतीय मां गायत्री नवदुर्गा उत्सव समिति वार्ड क्र. 4, एवं विशिष्ट प्रतिमा विशिष्ट कलात्मक पंडाल पुरस्कार में प्रथम नव चेतना दुर्गा उत्सव समिति, द्वितीय मां गायत्री दुर्गा उत्सव समिति, तृतीय महाकाली मां मन्नत वाली महाकाली वार्ड क्र. 13, तथा विद्युत डेकोरेशन पुरस्कार में प्रथम मां महागौरी दुर्गा उत्सव समिति कॉलेज तिराहा बुढार, द्वितीय मां मन्नत वाली मां महाकाली, तृतीय मिनी नव चेतना दुर्गा उत्सव समिति वार्ड क्र. 10 एवं स्वच्छता तथा पर्यावरण में प्रथम गायत्री नवदुर्गा उत्सव समिति वार्ड क्र. 4, द्वितीय नवरात्रि दुर्गा उत्सव समिति अमलाई मार्ग वार्ड क्र. 5, तृतीय नवदुर्गा उत्सव समिति बरियान टोला बुढार, तथा अनुसासन पुरस्कार प्रथम सिद्धिविनायक दुर्गा उत्सव समिति लखेरन टोला बुढार, द्वितीय नवप्रेरणा दुर्गा उत्सव समिति सोनारनटोला, तृतीय मां जगदंबा दुर्गा उत्सव समिति ग्रीन सिटी वार्ड क्र. 15, वहीं विभिन्न पुरस्कारों में - सर्वाधिक अंक अर्जित करने वाली समिति को मेगा डायमंड पुरस्कार प्रदत्त किया गया जो यह पुरस्कार नव चेतना दुर्गा उत्सव समिति मेन रोड बुढार को अर्जित हुआ, और पुरस्कृत समस्त समितियों को चमचमाती शील्ड मुख्यातिथ व अतिथियों ने प्रदत्त की जिसे पूरे उत्साह से समिति के उत्साहियों ने अर्जित की। पुरस्कारों की श्रंखला में - नगर के विभिन्न वार्डो की समस्त दुर्गोत्सव समितियों को सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किया गया। दशहरा उत्सव समिति के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह (जित्तू), महिला अध्यक्ष श्रीमती चेतना दीक्षित, रावण निर्माण समिति अध्यक्ष अमित सिंघानिया, आतिशबाजी समिति अध्यक्ष प्रिंस नेचलानी को इस वर्ष उत्सव का दायित्व प्रदान किया गया और आयोजन को भव्यता दिलाने अपने सहयोगियों के साथ निरंतर जुटे रहे जिससे उत्सव नगर मे परम्परानुरुप पूरे उल्लास के साथ मना।

नगर के दुर्गा पंडालो में दुर्गोत्सव समितियो द्वारा जगत जननी मां दुर्गा जी की भव्य प्रतिमां स्थापित कर आकर्षक विधुत की सजावट मे विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, वहीं दशहरा समिति द्वारा गठित निर्णायक मंडल द्वारा दुर्गा पंडालो में स्थल साज-सज्जा, विशिष्ट प्रतिमां, स्वच्छता अनुशासन, तथा संदेशात्मक पुरस्कारों हेतु मुआयना कर तथा दशहरा स्थल पर आयी झांकियों का अवलोकन कर अपना निर्णय दिया जिस पर पुरस्कृत समितियों को मुख्य अतिथि, अध्यक्ष एवं अतिथियों ने पुरस्कृत किया। निर्णायक मंडल मे शिवेंद्र कुमार द्विवेदी, प्राचार्य श्रीमती रेवा रानी पांडेय, श्रीमती शांति चतुर्वेदी, श्रीमती जसबीर सिंह, आर.के. त्रिवेदी ने उत्सव के निर्णायक की भूमिका निभाई।

विजयादशमी के पावन अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष तथा पार्षदों ने भगवान श्रीराम, सीता माता तथा लक्ष्मण व हनुमान जी का पूजन अर्चन किये। मुख्यातिथ विधायक जयसिंह मरावी ने विजयादशमी की शुभकामना देते हुये कहाकि - बुराई पर अच्छाई की जीत का यह पर्व हम सभी को आपसी सद्भाव तथा प्रगाढ़ता का संदेश देता है, जिसे हम अपने जीवन मे सदैव अपनायें और भगवान श्रीराम का आशीर्वाद हम सभी पर बना रहे।

दशहरा उत्सव के संयोजक एवं पूर्व विधायक छोटेलाल सरावगी ने नगर तथा ग्रामीण क्षेत्रों से आये श्रद्धालुओं को दशहरा पर्व की शुभकामना संदेश संप्रेषित करते हुये कहाकि - बुराई पर अच्छाई की जीत का यह पर्व नगरवासियों एवं क्षेत्रवासियों की सहभागिता से विशाल स्वरूप ग्रहण कर चुका है और उत्सव की जिम्मेदारी जिन्हें दी जाती है पूरे उल्लास से जुटते हैं, जिससे आयोजन भव्यता को अर्जित करता है। नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहाकि - नगर के दशहरा उत्सव को भव्यता दिलानें सभी का अपेक्षित सहयोग निरंतर बना हुआ है, जो नगर के लिये उपलब्धि पूर्ण है, इस आयोजन मे दशहरा उत्सव अध्यक्ष जितेंद्र सिंह तथा उनकी टीम ने आयोजन को और अधिक भव्यता प्रदान करायीं है, जिसकी जितनी सराहना की जाये कम है।

दशहरा उत्सव समिति अध्यक्ष जितेंद्र सिंह (जित्तू) ने सभी के प्रति आभार जताते हुये कहाकि- दशहरा उत्सव के अध्यक्ष का दायित्व मुझे सौंपा गया और मिलें दायित्व के निर्वहन मे समिति के समस्त सहयोगियों, पार्षदों नगर परिषद, पुलिस प्रशासन तथा नागरिकों का सहयोग मिला जिसके प्रति मे हृदय से आभारी हूं। स्व. कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम दशहरा उत्सव स्थल पर नगर तथा आस-पास के ग्रामों से नागरिकों का विशाल हुजूम रावण दहन तथा आयोजित कार्यक्रम को देखने शायं से आना शुरू हुआ और जबलपुर के सुप्रसिद्ध भजन एवं गीत गायिका एवं उनके टीम के गायकों द्वारा संगीत के मधुर ध्वनि के मध्य प्रस्तुत भजनों का भरपूर लुत्फ उठाया। कार्यक्रम का सफ़ल संचालन दशहरा समिति के संरक्षक पुष्पेन्द्र ताम्रकार एवं युवा उत्साही अभिषेक शर्मा, श्रीकृष्ण गुप्ता ने किया। अनुविभागीय पुलिस अधिकारी विकास पाण्डेय,नगर निरीक्षक खेम सिंह प्रेंद्रो ने सुरक्षा की चौक चौबंद व्यवस्था रखी, वहीं नगर परिषद के सी.एम.ओ. सौरभ श्रीवास्तव एवं परिषद के अमले ने आयोजन में अपनी भरपूर सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम में विशिष्ट रूप से - समाजसेवी हनुमान खंडेलवाल, राजकुमार सरावगी,बलमीत सिंह खनूजा, दौलत मनवानी, सुजीत सिंह चंदेल, राजेश चमड़िया, पूर्व पार्षद विक्रम बारी, राजू सेठिया, सोनू आहूजा, अरविंद नायक, दीपक शर्मा, रवि रजक, योगेंद्र सिंह, मंगेश गुप्ता, ओम दीक्षित, पवन सोनी, बद्री पांडेय, अनामिका सिंह, आशीष नामदेव ओम सिंघानिया, संजय डोडवानी, विक्रम सिंह, चन्द्रभान गुप्ता, आनंद बारी (अन्नू), राज पाठक, अनीश सिंह, बृजेन्द्र सिंह जोधावत तथा रश्मि पाठक, नगर परिषद पार्षद श्रीमती सविता सिंह भदौरिया, सुधा बारी, सुमित्रा नामदेव, जूली जैन, गीता प्रजापति, रश्मि सिंह, मोहन बैगा, हर्ष पाठक, हरीशचंद्र केवट की उपस्थिति रही, वहीं आयोजन में नगर परिषद उपयंत्री सी.पी. पांडेय, अनुज गुप्ता, राधिका तिवारी, अभय शुक्ला, संजय द्विवेदी, आमिर खां तथा दशहरा समिति के उत्साहियों का भरपूर सहभागिता रही।

कार्यक्रम में आकर्षण का केंद्र रही, श्रीराम दरबार की झांकियो सहित अन्य झांकियां जिससे कार्यक्रम स्थल भक्तिभाव से सरोवर रहा और एक से बढ़कर अनेक गीतों की प्रस्तुति विद्युत की आकर्षक छंटा के मध्य गायकों ने प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने करतल ध्वनि से स्वागत किया इसके उपरांत पुरुस्कृत सामितियो को मुख्यातिथि एवं अतिथियों ने पुरुस्कृत किया और विशालकाय रावण पुतले का दहन किया गया और देखते ही देखते रावण का पुतला धू धू कर जलकर राख हो गया।

धान खरीदी पंजीयन नहीं होने से किसान परेशान, मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपेंगे : काशी शर्मा

पटवारियों की हड़ताल और गिरदावली में देरी से प्रभावित हुआ पंजीयन, किसानों ने समय-सीमा बढ़ाने की उठाई मांग

बुढार। धान खरीदी के लिए सहकारी समितियों में किसानों का पंजीयन नहीं हो पाने से किसान परेशान हैं। इस समस्या को लेकर भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष एवं कृषि समिति के सभापति काशी प्रसाद शर्मा सहित क्षेत्र के किसानों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को ज्ञापन सौंपकर पंजीयन की समय-सीमा बढ़ाने और सभी पात्र किसानों का पंजीयन सुनिश्चित कराने की मांग करने का निर्णय लिया है।

इस संबंध में काशी प्रसाद शर्मा, किसान एवं पिछड़ा वर्ग के वरिष्ठ सदस्य सीताराम साहू, पूर्व मीडिया प्रभारी सूरज द्विवेदी, हरि सिंह, हर्ष नारायण सिंह, पूर्व मंडल महामंत्री शिवेन्द्र द्विवेदी एवं राजकमल शर्मा ने बकहो मंडल में आपसी चर्चा कर आगामी 25 अक्टूबर को शहडोल प्रवास पर आ रहे मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपने की तैयारी की जा रही है। इसके लिये शहडोल संसदीय क्षेत्र के सांसद तथा जैतपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक से मुख्यमंत्री से मिलने हेतु समय उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया है। साथ ही जनप्रतिनिधियों से मुख्यमंत्री के समक्ष किसानों की समस्या रखकर समाधान कराने की अपील भी की जायेगी।पटवारियों की हड़ताल से प्रभावित हुई गिरदावली - किसानों का कहना है कि धान विक्रय के लिये पंजीयन की निर्धारित अवधि 15 सितंबर से 10 अक्टूबर तक थी। इसी दौरान 21 सितंबर से संभाग के पटवारी अपनी मांगों को लेकर सामूहिक हड़ताल पर चले गए थे, जिससे गिरदावली का कार्य प्रभावित हुआ और किसानों का पंजीयन नहीं हो सका। इस अवधि में किसानों को कभी सर्वर की समस्या तो कभी गिरदावली पूरी नहीं होने की जानकारी दी जाती रही।



किसानों के अनुसार, सहकारी समितियों के जिम्मेदारों से लगातार संपर्क करने पर उन्हें आश्वासन दिया जाता रहा कि हड़ताल जल्द समाप्त हो जाएगी, गिरदावली पूरी कर ली जाएगी और सभी किसानों का समय पर पंजीयन हो जायेगा। बाद में हड़ताल समाप्त होने के बाद पंजीयन की समय-सीमा बढ़ाए जाने की उम्मीद भी जताई गई, लेकिन अब किसानों को बताया जा रहा है कि शासन स्तर से तारीख नहीं बढ़ाई गई है और निर्धारित अवधि समाप्त होने के कारण पंजीयन संभव नहीं है।समय-सीमा बढ़ाकर सभी किसानों का पंजीयन कराने की मांग - पंजीयन नहीं होने से किसान अपनी उपज के उचित मूल्य को लेकर चिंतित हैं। किसानों का कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो संभाग के अनेक किसानों को अपनी धान की उपज कम कीमत पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

काशी प्रसाद शर्मा सहित सभी किसानों ने शहडोल के युवा कलेक्टर पार्थ जायसवाल, संसदीय क्षेत्र के सांसद तथा संबंधित विधायकों से आग्रह किया है कि - मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से चर्चा कर धान खरीदी पंजीयन की अवधि बढ़ाने की पहल की जाये, साथ ही सहकारी समितियों के माध्यम से संभाग के सभी पात्र किसानों का पंजीयन शीघ्र सुनिश्चित कराया जाए, ताकि किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य मिल सके।

नम आंखों और बाजे-गाजे के साथ माता रानी को दी विदाई, नगर में धूमधाम से हुआ दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन

बुढ़ार।

नगर में शारदीय नवरात्र के पावन पर्व का हर्षोल्लास के साथ समापन हो गया है। नौ दिनों तक पूरे विधि-विधान से मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करने के बाद, विजयादशमी (दशहरा) के ठीक दूसरे दिन माता को नम आंखों और धूमधाम के साथ विदाई दी गई। नगर के विभिन्न दुर्गा पंडालों में स्थापित प्रतिमाओं को गाजे-बाजे के साथ विसर्जन स्थल के लिए ले जाया गया।

इस दौरान लखेरन टोला मां कालिका दुर्गा उत्सव समिति के पदाधिकारियों और भक्तों ने विशेष उत्साह के साथ मां को विदाई दी। समिति के सदस्यों द्वारा मां कालिका की प्रतिमा को ज्वालामुखी मंदिर के समीप स्थित विसर्जन स्थल पर ले जाकर विधिवत विसर्जित किया गया। विसर्जन यात्रा के दौरान "जय माता दी" के जयकारों से पूरा नगर गूंज उठा। भक्तों ने नम आंखों से माता से अगले वर्ष फिर जल्दी आने की प्रार्थना करते हुए विदाई दी। सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन और पुलिस बल भी मुस्तैद नजर आया।

उत्कृष्ट कार्य के लिए संयुक्त संचालक भोपाल में सम्मानित

सीएम डॉ. मोहन यादव और शिक्षा मंत्री ने सौंपा प्रशस्ति पत्र



शहडोल। लोक शिक्षण संभाग शहडोल के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और प्रशासनिक दक्षता के लिए संयुक्त संचालक लोक शिक्षण उमेश कुमार धुर्वे को राज्य स्तरीय मंच पर सम्मानित किया गया। भोपाल में आयोजित अनुकंपा नियुक्ति आदेश वितरण समारोह के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने उन्हें प्रशस्ति पत्र भेंट कर सराहा।आयुक्त लोक शिक्षण के मार्गदर्शन में जेडी उमेश कुमार धुर्वे ने संभाग के अंतर्गत क्रमोन्नति, पदोन्नति एवं समयमान वेतनमान के लंबित मामलों का रिकॉर्ड समय-सीमा के भीतर निराकरण कराया। शिक्षकों व कर्मचारियों से जुड़ी समस्याओं के त्वरित समाधान और हितग्राहीमूलक योजनाओं को धरातल पर पारदर्शी तरीके से लागू करने में उनकी भूमिका अहम रही।राज्य स्तर पर मिले इस सम्मान से पूरे शहडोल संभाग में हर्ष की लहर है। डीईओ शहडोल अतुल चौधरी, डीईओ उमरिया भूपेंद्र बरकड़े, डीईओ अनूपपुर तुलाराम आर्मो सहित संभाग के समस्त प्राचार्यों व विभागीय कर्मचारियों ने जेडी धुर्वे को बधाई दी है।विभागीय प्रकरणों को त्रुटिरहित व समय-सीमा में तैयार कराने में जेडी कार्यालय के स्थापना प्रभारी रावेन्द्र सिंह कंवर सहायक ग्रेड-3 का विशेष योगदान रहा।
अधिकारियों ने इसे टीम भावना, आपसी समन्वय और प्रशासनिक पारदर्शिता का परिणाम बताया।

शहडोल में दो दर्दनाक हादसे, डीजे पिकअप पलटने से युवक की मौत

ट्रैक्टर-ट्रॉली दुर्घटनाग्रस्त होने से 14 घायल

शहडोल। नौ दिनों तक जगदंबा की भक्ति में लीन रहने के बाद जब विदाई की वेला आई, तो किसी ने नहीं सोचा था कि खुशियों भरा माहौल चीख-पुकार में बदल जाएगा। शहडोल जिले के दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन से लौट रहे श्रद्धालुओं के वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गए। इन हादसों में एक युवक की जान चली गई, जबकि 14 श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पहला हादसा गोहपारू थाना क्षेत्र के सेमरा गांव के पास हुआ। जानकारी के अनुसार, मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जित करने के बाद श्रद्धालु डीजे से लदे पिकअप वाहन में सवार होकर गोहपारू से खन्नौधी की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान रफ्तार तेज होने के कारण पिकअप अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। इस दुर्घटना में वाहन सवार कमलेश बैगा की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कुछ अन्य श्रद्धालुओं को मामूली चोटें आईं। सूचना मिलते ही गोहपारू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

दूसरा हादसा जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के मसीरा घाट के पास घटित हुआ। करकी गांव के ग्रामीण ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के लिए मसीरा घाट गए थे। विसर्जन के बाद जब वे वापस लौट रहे थे, तभी सामने से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप को बचाने के चक्कर में ट्रैक्टर चालक ने अचानक जोरदार ब्रेक लगा दिया। अचानक ब्रेक लगने से अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर-ट्रॉली सडक़ पर पलट गई। ट्रॉली में कुल 17 लोग सवार थे, जिनमें से 14 लोग घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जयसिंहनगर पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।







इनका कहना है...

डीजे लोड पिकअप के अनियंत्रित होकर पलटने से एक युवक की मौत हुई है। मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

जे.पी.शर्मा
थाना प्रभारी, गोहपारू

मसीरा घाट से विसर्जन कर लौट रही ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से 14 श्रद्धालु घायल हुए हैं। सभी को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति खतरे से बाहर है।

अजय बैगा
थाना प्रभारी, जयसिंहनगर

खबर संक्षेप

स्वास्थ्य विभाग में बड़ा प्रशासनिक फैसला, संलग्नीकरण आदेश निरस्त



अनूपपुर। जिले के स्वास्थ्य विभाग में लंबे समय से विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों एवं कार्यालयों में संलग्न अधिकारी-कर्मचारियों को लेकर बड़ा प्रशासनिक फैसला सामने आया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला अनूपपुर द्वारा 20 अक्टूबर को जारी आदेश के तहत विभिन्न कार्यालयों एवं स्वास्थ्य संस्थानों में किए गए संलग्नीकरण तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए गए हैं। जारी आदेश में संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों को उनकी मूल पदस्थापना वाली संस्था में उपस्थित होना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्राप्त आदेश के अनुसार, प्रमुख सचिव, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन के 26 सितंबर के निर्देशों तथा स्वास्थ्य आयुक्तालय द्वारा 7 अक्टूबर को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में दिए गए निर्देशों के पालन में यह कार्रवाई की गई है। इसके साथ ही क्षेत्रीय संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं, रीवा संभाग के 9 अक्टूबर के आदेश का भी उल्लेख किया गया है, जिसमें विभिन्न प्रकार के संलग्नीकरण एवं लगाए गए ड्यूटी आदेश निरस्त करने के निर्देश दिए गए थे।

डॉक्टरों से लेकर नर्सिंग स्टाफ तक लागू आदेश

जारी आदेश में चिकित्सा अधिकारियों, संविदा चिकित्सा अधिकारियों, नर्सिंग ऑफिसरों, एएनएम, लैब टेक्नीशियन, एमपीडब्ल्यू, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, वार्ड बॉय, स्वीपर सहित विभिन्न पदों पर कार्यरत कर्मचारियों के संलग्नीकरण निरस्त किए जाने का उल्लेख है। आदेश में जिला चिकित्सालय अनूपपुर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, उप स्वास्थ्य केंद्र और विभिन्न विकासखंडों में पदस्थ कर्मचारियों की वर्तमान कार्यस्थल एवं मूल पदस्थापना का विवरण दिया गया है। दस्तावेज में दर्ज सूची में कोतमा, जैतहरी, पुष्पराजगढ़, अनूपपुर तथा अन्य विकासखंडों के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों से संबंधित अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं। आदेश के अनुसार, संबंधित कर्मचारियों को अपनी मूल पदस्थापना संस्था में उपस्थित होना सुनिश्चित करना होगा।

स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था सुधारने पर जोर

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि संलग्नीकरण निरस्त करने की कार्रवाई कार्यालय कलेक्टर अनूपपुर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय तथा प्रमुख खंड चिकित्सा अधिकारी कार्यालयों से किए गए संलग्नीकरण के संबंध में की गई है। इसका उद्देश्य प्रशासनिक व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करना और शासन के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करना बताया गया है। अब इस आदेश के बाद स्वास्थ्य विभाग में कर्मचारियों की तैनाती व्यवस्था में बदलाव होने की संभावना है। हालांकि, विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में वास्तविक रूप से कितने कर्मचारी कार्यभार ग्रहण करते हैं और इससे स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता पर क्या प्रभाव पड़ता है, यह संबंधित संस्थानों में आदेश के क्रियान्वयन के बाद स्पष्ट होगा।

जिले में स्थापित हुईं 367 दुर्गा प्रतिमाएं, झांकियों के साथ निकलीं विसर्जन यात्राएं

जिले में दो दिन मना दशहरा, 20 स्थानों पर मंगलवार तो 9 जगह बुधवार को हुआ रावण दहन



प्रशासन की निगरानी में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए आयोजन

अनूपपुर। बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक विजयादशमी का पर्व अनूपपुर जिले में दो दिनों तक उत्साह, आस्था और सामाजिक सौहार्द के साथ मनाया गया। जिले के 29 निर्धारित स्थलों में से 20 स्थानों पर मंगलवार को रावण दहन किया गया, जबकि शेष 9 स्थानों पर बुधवार को दशहरा मनाते हुए रावण के पुतलों का दहन किया गया। तिथि संबंधी अलग-अलग मान्यताओं के चलते जिले में विजयादशमी के आयोजन दो दिनों तक जारी रहे। इस दौरान धार्मिक उत्साह के साथ लोगों ने पर्व मनाया और बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश दिया। वहीं, शारदेय नवरात्र के समापन पर जिलेभर में स्थापित 367 छोटी-बड़ी दुर्गा प्रतिमाओं को श्रद्धा और भावपूर्ण वातावरण में विदाई दी गई। प्रतिमा विसर्जन और दशहरा आयोजनों के दौरान प्रशासन एवं पुलिस की निगरानी रही, जिससे पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

जिले में स्थापित हुईं 367 छोटी-बड़ी दुर्गा प्रतिमाएं

अनूपपुर जिला मुख्यालय सहित बिजुरी, पसान, जैतहरी, वेंकटनगर, चचाई, राजेंद्रग्राम और अमरकंटक समेत जिले के विभिन्न नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 367 छोटी-बड़ी दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। नौ दिनों तक चले शारदेय नवरात्र महोत्सव के दौरान पंडालों में धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-अर्चना, आरती और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। महाअष्टमी और नवमी पर विशेष पूजन, कन्या पूजन तथा भंडारों के आयोजन के बाद विजयादशमी पर प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला शुरू हुआ। मंगलवार को श्रद्धालु आकर्षक झांकियों, साज-सज्जा और जुलूसों के साथ मां दुर्गा की प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए लेकर निकले। नगरों और ग्रामीण क्षेत्रों में विसर्जन यात्राओं के दौरान भक्तिमय माहौल रहा। श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर मां दुर्गा को विदाई दी और अगले वर्ष पुनः आगमन की कामना की। तिथि संबंधी मान्यताओं के कारण कुछ स्थानों पर बुधवार को भी धार्मिक गतिविधियां और प्रतिमा विसर्जन जारी रहा।

29 स्थानों पर आयोजित हुए दशहरा कार्यक्रम

जिले में विजयादशमी के अवसर पर कुल 29 निर्धारित स्थलों पर रावण दहन के कार्यक्रम तय किए गए थे। इनमें मंगलवार को 20 स्थानों पर रावण दहन किया गया, जबकि शेष 9 स्थानों पर बुधवार को कार्यक्रम आयोजित हुए। इस तरह जिले में दो दिनों तक दशहरा पर्व की रौनक बनी रही। विभिन्न स्थानों पर स्थानीय समितियों और आयोजकों द्वारा कार्यक्रमों की व्यवस्था की गई, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु और नागरिक शामिल हुए। रावण दहन के माध्यम से अहंकार, अन्याय और बुराई के अंत का संदेश दिया गया। विजयादशमी के अवसर पर आयोजित धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। अलग-अलग तिथियों पर आयोजन होने के बावजूद जिले में पर्व को लेकर श्रद्धालुओं का उत्साह बना रहा।

पॉलिटेक्निक कॉलेज के समीप बने कुंड में हुआ विसर्जन

जिला मुख्यालय अनूपपुर में दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन पॉलिटेक्निक कॉलेज के समीप बनाए गए अस्थायी कुंड में कराया गया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद प्रतिमाओं को विसर्जित किया। प्रशासन और जनभागीदारी के सहयोग से तैयार किए गए विसर्जन कुंडों का उद्देश्य प्रतिमा विसर्जन की प्रक्रिया को व्यवस्थित



ढंग से संपन्न कराना रहा। जिले के अन्य विकासखंडों में भी निर्धारित स्थलों पर प्रतिमाओं का विसर्जन कराया गया। विसर्जन यात्राओं के मार्गों और प्रमुख स्थलों पर व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात रहा। प्रशासनिक अमले ने पर्व के दौरान शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने पर ध्यान दिया। दशहरा आयोजनों और प्रतिमा विसर्जन के दौरान किसी अप्रिय स्थिति की सूचना नहीं मिली।

सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुए आयोजन

विजयादशमी और प्रतिमा विसर्जन के दौरान जिले में शांति, सुरक्षा और सौहार्द बनाए रखने के लिए प्रशासन एवं पुलिस सक्रिय रहे। प्रमुख आयोजन स्थलों और विसर्जन मार्गों पर निगरानी रखी गई। धार्मिक आस्था से जुड़े इस पर्व में विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने सहभागिता करते हुए सामाजिक एकता और परंपराओं के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। जिले में मंगलवार को 20 और बुधवार को 9 स्थानों पर रावण दहन के साथ दो दिनों तक चले दशहरा आयोजनों का समापन हुआ। वहीं, 367 दुर्गा प्रतिमाओं की स्थापना और विसर्जन के साथ शारदेय नवरात्र महोत्सव भी संपन्न हुआ। विजयादशमी के आयोजनों ने लोगों को सत्य, धर्म, सदाचार और बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश दिया।

पुष्पराजगढ़ की महारानी मां काली के दरबार में उमड़ा आस्था का जनसैलाब



दशहरे के बाद भी जारी है आराधना, 23 अक्टूबर को होगा भव्य विसर्जन

अनूपपुर। जब अधिकांश स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन हो चुका है, तब पुष्पराजगढ़ मुख्यालय राजेंद्रग्राम के बस स्टैंड पर विराजमान मां काली के दरबार में आस्था का उत्सव पूरे शबाब पर है। यहां की परंपरा अनूठी है। दशहरे के दो दिन बाद तक मां काली की आराधना का क्रम चलता है और 23 अक्टूबर को विधि-विधान के साथ भव्य विसर्जन होगा। छठवें दिन भी श्रद्धालुओं का उत्साह और मां के प्रति समर्पण देखते ही बन रहा है। जिले के पुष्पराजगढ़ की धरती पर मां काली के प्रति श्रद्धा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हजारों भक्तों की भावनाओं, विश्वास और परंपरा का संगम बन गया है है। राजेंद्रग्राम बस स्टैंड पर विराजमान पुष्पराजगढ़ की महारानी मां काली के दरबार में इन दिनों भक्ति का अनूठा दृश्य दिखाई दे रहा है। जिले भर में अनेक स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन हो चुका है, लेकिन यहां मां काली की आराधना अभी जारी है। यही इस आयोजन की विशिष्ट पहचान है। स्थापना से दशहरे के दो दिन बाद मां काली की प्रतिमा का रोजाना अलग अलग आरती पद्धति के साथ विधि-विधान से विसर्जन किया जाता है। छह दिनों से मां के दरबार में श्रद्धालुओं का आना-जाना बना हुआ है। संध्या आरती में गूंजते जयकारे, दीपों की जगमगाहट और भक्तों की भावपूर्ण उपस्थिति वातावरण को आध्यात्मिक बना देती है। दूर-दराज के गांवों से पहुंचने वाले भक्त मां के दर्शन कर स्वयं को सौभाग्यशाली मानते हैं। अब सभी की निगाहें 23 अक्टूबर पर टिकी हैं, जब मां को भावभीनी विदाई दी जाएगी।

छह वर्षों की परंपरा, हर साल बढ़ती आस्था

राजेंद्रग्राम बस स्टैंड पर मां काली की प्रतिमा स्थापना का आयोजन पिछले छह वर्षों से श्रद्धा और उत्साह के साथ किया जा रहा है। समय के साथ यह आयोजन पुष्पराजगढ़ की धार्मिक पहचान बनता जा रहा है। हर वर्ष श्रद्धालु मां के आगमन का इंतजार करते हैं और प्रतिमा विराजमान होने के बाद दर्शन के लिए पहुंचते हैं। स्थानीय लोगों के लिए यह केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि अपनी परंपरा, संस्कृति और सामूहिक आस्था से जुड़ने का अवसर है। मां काली के दरबार में उमड़ता जनसमूह इस विश्वास का प्रतीक है कि भक्त और मां का रिश्ता भावनाओं से बंधा होता है। नवरात्र और दशहरे के बाद अधिकांश स्थानों पर दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन हो चुका है, लेकिन राजेंद्रग्राम बस स्टैंड पर पुष्पराजगढ़ की महारानी मां काली की पूजा अभी जारी है। यही इस आयोजन को विशिष्ट बनाता है। यहां दशहरे के दो दिन बाद तक मां को विराजमान रखकर विधि-विधान से धार्मिक कार्यक्रम संपन्न कराए जाते हैं। श्रद्धालुओं के लिए मां का दरबार केवल दर्शन का स्थान नहीं, बल्कि मन की शांति और भावनात्मक जुड़ाव का केंद्र है। छठवें दिन भी भक्तों का उत्साह बता रहा है कि मां के प्रति उनकी श्रद्धा दिनों की मोहताज नहीं है।

संध्या आरती में गूंजते जयकारे, भक्तिमय होता पूरा वातावरण

शाम होते ही मां काली के दरबार में भक्ति का रंग और गहरा हो जाता है। आरती के दौरान दीपों की रोशनी, घंटियों की गूंज और मां के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठता है। श्रद्धालु पूरे मनोभाव से मां के दर्शन करते हैं और अपनी मनोकामनाएं लेकर दरबार में पहुंचते हैं। यहां की संध्या आरती और भगतों की प्रस्तुतियां लोगों को भावविभोर कर देती हैं। दूर-दराज के गांवों से आने वाले भक्तों के लिए यह दृश्य किसी आध्यात्मिक अनुभूति से कम नहीं। मां के दरबार में हर चेहरा श्रद्धा और विश्वास की कहानी कहता दिखाई देता है।

मां काली का दरबार बना आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक

पुष्पराजगढ़ की महारानी मां काली का यह आयोजन धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकजुटता का भी संदेश देता है। अलग-अलग गांवों और क्षेत्रों से आने वाले श्रद्धालु एक ही दरबार में एकत्र होकर मां की आराधना करते हैं। आयोजन लोगों को अपनी सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ता है और आपसी भाईचारे को मजबूत करता है। छह वर्षों से चली आ रही यह परंपरा स्थानीय लोगों के उत्साह और सामूहिक सहयोग से आगे बढ़ रही है। मां काली के जयकारों के बीच अब 23 अक्टूबर की प्रतीक्षा है, जब पूरा क्षेत्र श्रद्धा के साथ मां को विदाई देकर अगले वर्ष फिर आने की प्रार्थना करेगा। इस कार्यक्रम के आयोजन में मां काली युवा प्रकोष्ठ समिति राजेंद्रग्राम के मनोज धुर्वे (गोलू) बताते है कि हमारे समिति के सभी सदस्य तन मन धन से नवरात्रि के शुरू होने के 1 माह पूर्व से इस कार्यक्रम को लेकर काम शुरू कर देते है मां काली के आशीर्वाद से इस आयोजन में ग्राम बसानिहाँ से खड़ाक आरती आती है दुर्गा स्टेज राजेंद्रग्राम से माई के लिए चुनरी चढ़ावा आता है इस पंडाल पर होने वाले हर साल के कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालु बहुत सी मनोकामना लेकर आते है और मनोकामनाएं पूर्ण होने पर वह समर्पण भाव से आस्था के साथ आते है। इस वर्ष श्रद्धालुओं की सैन्य अधिक है पुलिस प्रशासन ने अच्छी व्यवस्था की ही है अभी यह भीड़ देखते हुए 23 तारीख को विसर्जन के समय भीड़ बढ़ाने की आशंका भी जताई जा रही है।



विजयादशमी पर मां जगदंबा का अभिषेक धर्म ध्वजा साहब का पूजन और भंडारा

अमरकंटक। श्री कल्याण सेवा आश्रम में परम त्यागी तपस्वी बाबा कल्याण दास महाराज के सानिध्य में आयोजित दस दिवसीय शारदीय नवरात्रि महोत्सव का समापन विजयादशमी पर धार्मिक अनुष्ठानों और विशाल भंडारे के साथ हुआ। नौ दिनों तक मां भगवती की पूजा-अर्चना, वैदिक हवन और संतों के प्रवचनों से आश्रम परिसर भक्तिमय बना रहा। अंतिम दिन मां जगदंबा के विशेष अभिषेक, धर्म ध्वजा साहब के पूजन, महाआरती और अरदास के बाद श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के जरूरतमंद लोगों को गर्म कपड़े और साड़ियों का वितरण भी किया गया। महोत्सव के पहले दिन श्री कल्याण सेवा आश्रम से श्री नर्मदा मंदिर तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इसमें देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए कलाकारों ने धार्मिक झांकियां और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। नवरात्रि के दौरान काशी-वाराणसी से आए विद्वान आचार्यों ने विधि-विधान से मां जगदंबा का पूजन कराया। प्रतिदिन रात्रि में विशेष निशा हवन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। इन अनुष्ठानों के माध्यम से सुख-समृद्धि, शांति और लोककल्याण की कामना की गई। महोत्सव में विभिन्न संत-महात्माओं ने धर्म, अध्यात्म, भक्ति, त्याग और सेवा के महत्व पर प्रवचन दिए। स्वामी देवेश्वरानंद महाराज और स्वामी डॉ. निर्मल दास महाराज सहित अन्य संतों ने सदाचार, करुणा, परोपकार और सामाजिक सद्भाव को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। विजयादशमी पर प्रकांड विद्वानों और संत-महात्माओं की उपस्थिति में मां जगदंबा का विशेष अभिषेक एवं पूजन किया गया। इसके बाद उदासीन संप्रदाय की परंपरा के अनुसार धर्म ध्वजा साहब की पूजा-अर्चना और ध्वजा परिवर्तन का विधान संपन्न हुआ। आश्रम में शारदीय नवरात्रि की विजयादशमी तथा वैशाख के निर्धारित पावन अवसर पर धर्म ध्वजा साहब के पूजन की परंपरा है। यह अनुष्ठान संप्रदाय की गुरु-परंपरा और आध्यात्मिक आस्था का प्रतीक है। पूजन के बाद मां भगवती की महाआरती की गई। श्रद्धालुओं ने अरदास कर समाज और समस्त मानवता के कल्याण की कामना की। समापन अवसर पर आश्रम के भंडार गृह में विशाल भंडारा आयोजित किया गया। इसमें संत-महात्माओं, साधु-संन्यासियों, श्रद्धालुओं और ग्रामीणों ने प्रसाद ग्रहण किया। आश्रम परिवार ने जरूरतमंद ग्रामीणों को गर्म कपड़े और साड़ियां वितरित कीं। इस पहल के माध्यम से धार्मिक आयोजन के साथ सेवा और परोपकार की भावना को भी महत्व दिया गया। महोत्सव में स्वामी हिमाद्री मुनि महाराज, स्वामी जगदीश आनंद महाराज, महंत भरत दास महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी विश्व स्वरूप महाराज, स्वामी डॉ. निर्मल दास महाराज, स्वामी धर्मानंद महाराज, स्वामी शांतानंद महाराज, स्वामी हरस्वरूप महाराज, स्वामी रामेश्वरानंद महाराज, स्वामी प्रणव मुनि महाराज, स्वामी योगेश्वरानंद महाराज, स्वामी राघवानंद महाराज, स्वामी अमृतानंद महाराज, स्वामी राजा बाबा, स्वामी नर्मदानंद महाराज, स्वामी कोतवाल बाबा और ब्रह्मचारी मनीष स्वरूप महाराज सहित अनेक संत-महात्मा उपस्थित रहे। पंडित संदीप ज्योतिषी, पंडित सुनील दुबे और पंडित मुकेश पाठक सहित अन्य विद्वानों ने भी आयोजन में सहभागिता की। आश्रम के प्रबंध न्यासी स्वामी हिमाद्री मुनि महाराज ने कहा कि मां जगदंबा की कृपा और बाबा कल्याण दास महाराज के आशीर्वाद से शारदीय नवरात्रि महोत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने बताया कि नौ दिनों तक बड़ी संख्या में श्रद्धालु अमरकंटक पहुंचे और पूजा-अर्चना सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल हुए। स्वामी हिमाद्री मुनि महाराज ने आयोजन में सहयोग देने वाले आश्रम परिवार, श्रद्धालुओं और सेवाभावी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने आश्रम के ट्रस्टी सदस्य डमरू दर अग्रवाल एवं उनके परिवार के सहयोग की विशेष सराहना की। श्री कल्याण सेवा आश्रम में आयोजित इस महोत्सव का समापन धार्मिक अनुष्ठानों और सेवा कार्यों के साथ हुआ। आयोजन में पूजा-पाठ के साथ जरूरतमंदों की सहायता के माध्यम से सेवा और लोककल्याण की परंपरा को आगे बढ़ाया गया।

मृत नवजात बालिका का पुलिस और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने किया अंतिम संस्कार

बस स्टैंड में विक्षिप्त महिला ने दिया था बच्ची को जन्म, जिला चिकित्सालय में भर्ती महिला

अनूपपुर। नगर के बस स्टैंड में सोमवार दोपहर एक मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला ने नवजात बालिका को जन्म दिया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही बच्ची की मृत्यु हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर महिला को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जबकि मृत नवजात के शव को सुरक्षित रखकर पुलिस को सूचना दी गई। मंगलवार को जिला अस्पताल पुलिस के प्रधान आरक्षक कमलेश प्रसाद ने चिकित्सक से नवजात के शव का पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद सामाजिक कार्यकर्ता शशिधर अग्रवाल, गोपाल वर्मा, गोपाल राठौर, गणेश सहित अन्य लोगों की उपस्थिति में नगर पालिका अनूपपुर के सहयोग से सोन नदी किनारे स्थित मुक्तिधाम में गड्ढा खुदवाकर विधिवत शव को दफनाते हुए अंतिम संस्कार किया गया। वहीं, कोतवाली पुलिस महिला से संबंधित जानकारी जुटाने के साथ मामले की जांच कर रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, महिला काफी समय से अनूपपुर बस स्टैंड और आसपास के क्षेत्रों में घूमते हुए लोगों से मांगकर जीवनयापन कर रही थी।



नवदुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना के बाद मां भगवती को दी गई विदाई

भैरव पूजन एवं आरती के साथ मंदिर में संपन्न हुए धार्मिक अनुष्ठान

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित पतित पावनी मां नर्मदा के उद्गम मंदिर में शारदीय नवरात्रि का पर्व कन्या पूजन, कन्या भोज, घृत ज्योति एवं कलश विसर्जन तथा जवारा विसर्जन के साथ श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ। नौ दिवसीय नवरात्रि के दौरान मंदिर में मां भगवती के विभिन्न स्वरूपों की विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना, पाठ, आरती और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। नवरात्रि के समापन अवसर पर मां शक्ति के स्वरूप में कन्याओं का पूजन किया गया तथा उन्हें श्रद्धापूर्वक भोजन कराकर आशीर्वाद प्राप्त किया गया। मंदिर में स्थापित घृत ज्योति एवं कलश के साथ जवारे का विधि-विधान से विसर्जन किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने मां भगवती के प्रति अपनी आस्था प्रकट करते



हुए सुख, शांति, समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। नर्मदा उद्गम मंदिर में पूरे नवरात्रि पर्व के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने मां नवदुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना कर परिवार और समाज की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। मंदिर परिसर में धार्मिक परंपराओं के अनुसार विभिन्न पूजन-अनुष्ठान संपन्न हुए। नवरात्रि के अंतिम चरण में कन्या पूजन और जवारा विसर्जन के साथ नौ दिनों तक चली देवी आराधना का विधिवत समापन हुआ। संध्याकाल में नर्मदा मंदिर की ड्योढ़ी के पूर्व स्थित भगवान भैरव की विशेष पूजा-अर्चना की गई तथा आरती संपन्न हुई। धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप भगवान भैरव के पूजन के साथ मंदिर में नवरात्रि के समापन संबंधी अनुष्ठान पूरे किए गए। शारदीय नवरात्रि के समापन के साथ ही अमरकंटक के विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन का क्रम भी प्रारंभ हुआ। श्रद्धालु गाजे-बाजे, भजन-कीर्तन और जयकारों के साथ मां भगवती को विदाई देने की तैयारी में जुटे रहे। प्रतिमाओं का विसर्जन नर्मदा पुष्कर बांध के समीप बनाए गए विसर्जन कुंड में पूजा-अर्चना और आरती के साथ किया जा रहा है। नवरात्रि के नौ दिनों तक मां दुर्गा की आराधना में लीन रहे श्रद्धालुओं ने नम आंखों और भक्तिभाव के साथ मां भगवती से अगले वर्ष पुनः आगमन की प्रार्थना की। इस प्रकार पवित्र नगरी अमरकंटक में धार्मिक आस्था, परंपरा और भक्ति के बीच शारदीय नवरात्रि पर्व का समापन हुआ।